

अनेकानेक वि. (तत्.) [अनेक+अनेक] 1. बहुत अधिक, जैसे- अनेकानेक लोग उपस्थित थे 2. विविध प्रकार के जैसे- अनेकानेक कार्यक्रम।

अनेकार्थ वि. (तत्.) जिसके कई अर्थ हों, बहुत अर्थवाला, नानार्थ, अनेकार्थी।

अनेकार्थक वि. (तत्.) भाषा. [अनेक+अर्थक] जो अनेक अर्थ वाला हो, जिसके अनेक अर्थ हों जैसे- हरि= विष्णु, श्रीकृष्ण, अग्नि, बंदर, घोड़ा आदि विलो. एकार्थक।

अनेकार्थता स्त्री. (तत्.) 1. शब्द या वाक्य का वह गुण जिससे उसके दो या अधिक अर्थ प्रकट होते हैं 2. बहुअर्थी शब्द के सही अर्थ के विषय में संदेह की स्थिति संदिग्धार्थता।

अनेकार्थी वि. (तत्.) भाषा. अनेक अर्थ व्यक्त करने वाला शब्द जैसे- कर=हाथ, किरण, हाथी की सूंड, टैक्स, आदि।

अनेकाश्रय वि. (तत्.) [अनेक+आश्रय] 1. जिसे अनेक लोगों का आश्रय प्राप्त हो जैसे- अनाथ बालक 2. जो बहुत लोगों का आश्रय हो, जैसे- वृद्धाश्रम, अनाथाश्रम आदि विलो. एकाश्रम।

अनेकेश्वरवाद पुं. (तत्.) (दर्शन) [अनेक+ईश्वरवाद] वह सिद्धांत या मत जिसमें एक ईश्वर की जगह अनेक ईश्वर को सत्ता का नियामक माना गया है जैसे- भारत में अनेक देवी-देवताओं को ईश्वर के रूप में माना जाता है विलो. एकेश्वरवाद।

अनेग वि. (तत्.) 1. जिसमें अर्थात् विवाहादि शुभ अवसरों पर संबंधीजनों व अपेक्षित सेवकों को नेग का लेन-देन न हो 2. बिना नेग का 3. अनेक।

अनेह पुं. (तद्.) स्नेहाभाव, विरक्ति, अप्रेम, अप्रीति दे. अस्नेह।

अनेही वि. (तत्.) [अ+नेही] 1. जो किसी से नेह (स्नेह/प्रेम) न करता हो 2. स्नेह/लगाव न रखने वाला 3. विरागी, अनासक्त विलो. नेही।

अनैक्य पुं. (तत्.) एकता का अभाव, अनेकता ना एकता का न हो, मतभेद, फूट।

अनैच्छिक वि. (तत्.) 1. अनचाहा, न चाहा हुआ, अवांछित, इच्छा के विपरीत (होने वाला) 2. स्वतःउत्पन्न 3. जिसमें इच्छानुसार चुनने का विकल्प न हो, अनिवार्य।

अनैतिक वि. (तत्.) जो नीति, धर्म या नैतिकता के विपरीत हो, अनाचार-पूर्ण।

अनैतिकता स्त्री. (तत्.) 1. नीति या नैतिकता के विरुद्ध होने की स्थिति 2. अनैतिक कार्य या बात, अनाचारिता।

अनैतिहासिक वि. (तत्.) जो इतिहास-संगत न हो, जिसका प्रमाण इतिहास में न मिलता हो।

अनैतिह्य वि. (तत्.) [अन.+ऐतिह्य] 1. ऐतिहासिक या परंपरागत प्रचलित प्रमाण का अभाव 2. ऐतिहासिकता का न होना जैसे- अनैतिह्य प्रमाण विलो. ऐतिह्य।

अनैश्वर्य पुं. (तत्.) ऐश्वर्य का अभाव, अप्रभुत्व, समृद्धि या धन-संपदा का न होना।

अनैसर्गिक वि. (तत्.) [अ+नैसर्गिक] 1. जो नैसर्गिक (प्राकृतिक) न हो। अप्राकृतिक जैसे- अनैसर्गिक जल प्रपात 2. जो स्वभावानुकूल न हो, अस्वाभाविक, अनैसर्गिक आचरण विलो. नैसर्गिक।

अनोक्सिता स्त्री. (तत्.+अं.) ऑक्सीजन-रहित पर्यावरण की स्थिति। anoxia

अनोक्सीकरण पुं. (तत्.+अं.) अपचयन। anoxidation

अनोक्सीजीविता स्त्री. (तत्.+अं.) जीव की वह अवस्था जिसमें पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी होने के कारण उसकी उपापचयी क्रिया घट जाती है। anoxybiosis

अनोखा वि. (तद्.) 1. अनूठा, निराला, विचित्र, विलक्षण, अद्भुत 2. 'नूतन' 3. अनपेक्षित।

अनोष्ठता स्त्री. (तत्.) [अन्+ओष्ठता] ओष्ठविहीनता, ओंठों का न होना, बिना ओंठों वाली स्थिति।

अनौचित्य पुं. (तत्.) औचित्य के न होने या अनुचित होने की स्थिति, अनुपयुक्तता।